सुविचार
समय के पास भी इतना समय नहीं है कि वह आपको दोबारा समय दे सके..!

साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech

RNI. NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया

वर्ष 8, अंक-40 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 10 नवम्बर 2023 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

मृत्युकालिन कथन कब ठोस साक्ष्य होते हैं जानिए/Legal general knowledge...

भारतीय साक्ष्य अधिनियम,1872 की धारा 32 में कहा गया है की किसी भी व्यक्ति के द्वारा किया गया मृत्युकालिन कथन एक ठोस साक्ष्य होगा लेकिन एक निर्णय द्वारा इस कानून को चुनोती दी गई हाईकोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट में जानिए महत्वपूर्ण जानकारी।

- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

वाद का महत्वपूर्ण तथ्य-

पीडिता की मौत उस समय हो गई थी जब आरोपी ने उसके साथ बलात्कार किया था, बालात्कार के बाद आरोपी ने पीड़िता के ऊपर मिट्टी का तेल डालकर आग लगा दी थी जिसके कारण उसकी मृत्यु हो गई लेकिन मृत्यु उपरांत उसने साक्ष्य के लिए स्वंय मृत्युकालीन कथन दे कर गई थी सेशन न्यायालय द्वारा आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 302,341,376 ,448 के अंतर्गत आजीवन कठोर कारावास से दण्डित किया गया।

जानिए इसके बाद हाईकोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट में क्या हुआ-

झारखंड राज्य बनाम शैलेंद्र कुमार राय ञ्च पाण्डव राय(निर्णय वर्ष 2022)?

जिला एवं सत्र न्यायालय के निर्णय को झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा वर्ष 2018 में निरस्त कर दिया एवं आरोपी को दोषमुक्त कर दिया इसका प्रमुख कारण उच्च न्यायालय द्वारा बताया गया कि जब पीड़िता के मृत्युकालीन कथन दिए गए थे वे कथन कारण, परिस्थिति, एवं घटना से भिन्न बताए गए थे एवं मृत्युकालीन कथन सुसंगत नहीं दे इसलिए मृत्युकालीन कथन साक्ष्य का ठोस आधार नहीं होगा। उच्च न्यायालय के निर्णय के विरुद्ध राज्य सरकार द्वारा अपील प्रस्तुत की गई एवं सुप्रीम कोर्ट ने अवलोकन किया कि कि पीड़िता ने कहा था कि आरोपी ने उसके ऊपर मिट्टी का तेल उड़ेल दिया और उसके ऊपर आग लगा दी मृतिका की पोस्टमार्टम रिपोर्ट से यह बात साबित होती है। एवं पीड़िता ने कहा था कि कि आरोपी ने आग लगाने से पूर्व उसके साथ बलात्कार किया था यह बात संव्यवहार के परिस्थितियों का वर्णन है, इसलिए पीड़िता के कथन साक्ष्य अधिनियम,1872 की धारा 32(1) के अंतर्गत मृत्युकालीन कथन माना जायेगा। अतः सेशन न्यायालय की दोषसिद्धि का निर्णय व दण्डादेश पुनर्स्थापित किया जाता है एवं हाईकोर्ट के दोषमुक्ति के निर्णय को निरस्त किया जाता है।

नोट- इस निर्णय द्वारा यह स्पष्ट हुआ की अगर हाईकोर्ट द्वारा किसी मामले में राहत नहीं मिलती है तो व्यक्ति को न्याय के लिए सुप्रीम कोर्ट तक का दरवाजा खटखटाना चाहिए।

Legal advice- SC-ST वर्ग को आरक्षण एवं एक्ट संविधान के किस अनुच्छेद द्वारा सरकार प्रदान करती है जानिए।

बहुत से लोग जो गरीब एवं कमजोर वर्ग के है एवं जो अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग की श्रेणी में आते हैं जिनका शोषण प्रारंभिक काल से ही हो रहा है क्योंकि ऐसे वर्गों के लोगो को प्रारंभिक काल, माध्यम काल एवं बहुत हद तक आधुनिक काल मे भी दास(नोकर) बनाकर काम लिया जाता था देश आजाद होने के बाद इन गरीब दुर्बल वर्गों के व्यक्ति को समान लाने के लिए भारतीय संविधान में एक महत्वपूर्ण अनुच्छेद जोड़ा गया जानिए।

- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

भारतीय संविधान अधिनियम,1950 के अनुच्छेद 46 की परिभाषा?

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 46 राज्य की यह नीति बनाने के लिए निर्देशित करता है कि राज्य दुर्बल कमजोर वर्गों, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति वर्गों के लिए शिक्षा एवं आर्थिक संबंधी हितों की वृद्धि करेगा एवं इनको सामाजिक न्याय दिलवाए एवं सभी प्रकार के शोषण से उनकी रक्षा करे। कुलमिलाकर कहे तो वर्तमान में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति को जो अनुच्छेद 15(4) में आरक्षण प्राप्त है एवं भारत में जो अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार अधिनियम 1989 एवं अनुसूचित जाति, जनजाति राहत अधिनियम एवं बहुत सारी अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं राज्य लागू करता है वह इसी अनुच्छेद 46 के नीति निदेशक तत्व के द्वारा ही करता है क्योंकि उक्त वर्गों का जीवन स्तर को उठाना राज्य का दायित्व है।

प्रधानमंत्री मोदी छतरपुर में बोले- कांग्रेस को 100 साल तक सत्ता के लिए तरसाइये

छतरपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छतरपुर में चुनावी सभा के दौरान कहा कि मध्य प्रदेश के मन में मोदी है और मोदी के मन में मध्य प्रदेश है। आपका उत्साह और उमंग साफ-साफ दिखा रहा है कि भाजपा जीत का नया रिकार्ड बनाने जा रही है। जी-20 में आए मेहमानों ने छतरपुर के खजुराहो की तारीफ की। कांग्रेस ने कभी ऐतिहासिक स्थलों का ध्यान रखा। उनके लिए तो दिल्ली से ही सरकार शुरू होती थी और दिल्ली में ही खत्म हो जाती थी। कांग्रेस के नेता विदेश से आए मेहमानों को दिल्ली के बाहर गरीबी दिखाने ले जाते थे। चांदी का चम्मच लेकर पैदा हुए नेताओं को गरीबों से कोई मतलब नहीं रहा। ये गरीबों के साथ वीडियो निकलवाकर दिल्ली चले जाते थे, फिर गरीबों से उन्हें कोई मतलब नहीं रहता था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आजादी के बाद कांग्रेस की सरकार ने बुंदेलखंड को पानी के लिए तरसाया गया। इनको 100 साल तक सत्ता के लिए तरसाइये। उन्हें आपकी कोई चिंता नहीं हैं। हमारी सरकार यहां केन-बेतवा लिंक ला रही है, जिससे यहां सिंचाई के लिए किसानों का पर्याप्त पानी मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज मैं छतरपुर का, इस पूरे क्षेत्र का आशीर्वाद मांगने के साथ-साथ आपका आभार व्यक्त करने के लिए भी आया हूं।

गरीब बच्चों को भूखा नहीं सोना पड़ा

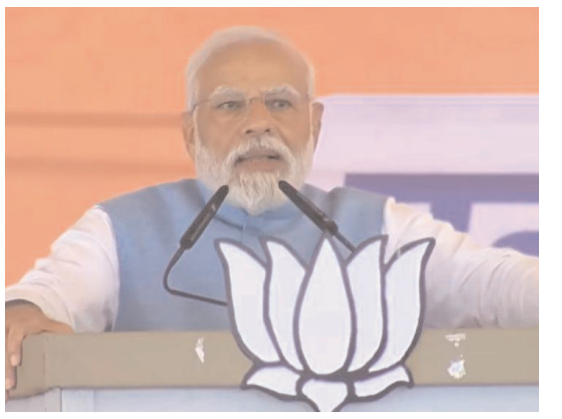

आज मोदी उन झुग्गियों में रहने वाले मेरे गरीब भाई-बहनों को पक्के घर बनाकर दे रहा है। जिन गरीब और कुपोषित बच्चों के साथ ये कांग्रेसी सज-धज कर फोटो खिंचवाते थे, आज उन बच्चों के पोषण की चिंता, गरीब मां का ये बेटा मोदी कर रहा है। आज मुझे संतोष है कि गरीब के घर का चूल्हा मैंने बुझने नहीं दिया, मुझे संतोष है कि गरीब के बच्चों को रात में भूखा नहीं सोना पड़ा। जब ऐसी सेवा की जाती है, तो पुण्य अवश्य मिलता है।

कांग्रेस ने भगवान राम को काल्पनिक बता दिया था

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस सुशासन को कुशासन में बदलने में एक्सपर्ट है। कांग्रेस की हर योजना, हर पॉलिसी देश को पीछे ले जाने वाली होती है। कांग्रेस के लिए देश नहीं बल्कि उसका अपना स्वार्थ सर्वोपरि रहता है। अयोध्या में भगवान राम का मंदिर न बनें, इसके लिए कांग्रेस ने भगवान राम को काल्पनिक बता दिया था। कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाने का भी विरोध किया था। कांग्रेस ने देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति का भी विरोध किया था।

खर्च में भाजपा से आगे कांग्रेस, सतीश सिकरवार अव्वल, इमरती देवी सहित 21 को नोटिस

ग्वालियर (नप्र)। विधानसभा चुनाव-2023 में मैदान में उतरे प्रत्याशियों द्वारा किए जा रहे खर्च में इस बार कांग्रेस आगे है। सिर्फ एक ही विधानसभा से भाजपा के उम्मीदार सामने वाले प्रत्याशी से अधिक खर्च कर पाए हैं। आंकड़े देखें तो पूर्व विधानसभा के भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशी खर्च में शेष विधानसभाओं को पीछे छोड़े हुए हैं। सबसे ज्यादा खर्च अभी तक

ग्वालियर पूर्व से कांग्रेस प्रत्याशी सतीश सिंह सिकरवार के नाम है, इनके सामने भाजपा की माया सिंह थोड़ी ही पीछे हैं। इसके बाद ग्वालियर से कांग्रेस प्रत्याशी सुनील शर्मा सतीश सिंह के बाद दूसरे नंबर पर खर्च के मामले में हैं। डबरा से भाजपा प्रत्याशी इमरती देवी ने अपने खर्च का ब्यौरा ही नहीं दिया है, उन्हें मिलाकर ऐसे 21 प्रत्याशियों को नोटिस जारी कर शुक्रवार को बुलाया गया है। यहां बता दें कि व्यय लेखा शाखा की ओर से प्रत्याशियों के खर्च का ब्यौरा मेंटेन किया जाता है। प्रत्याशियों के खर्च का प्रथम निरीक्षण हो चुका है, जिसमें इमरती देवी सहित कई प्रत्याशियों का ब्यौरा अनुपस्थित रहा। विधानसभा का चुनाव लड़ रहे 21 प्रत्याशियों द्वारा अपने चुनावी व्यय रजिस्टर का निरीक्षण व्यय प्रेक्षक से नहीं कराया है।

जबलपुर में राहुल गांधी का रोड शो, केंद्रीय कृषि मंत्री के बेटे के वीडियो पर मोदी-शिवराज को घेरा

जबलपुर। कांग्रेस के स्टार प्रचारक राहुल गांधी गुरुवार को रोड शो करने जबलपुर पहुंचे। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी जी कहते हैं कि हमने किसानों के लिए अच्छी फसल बीमा योजना लाई है, लेकिन हकीकत यह है कि इस योजना में सरकार की हिस्सेदारी 30 हजार करोड़ और किसानों की पांच हजार करोड़ की है, पर सरकार के हिस्सेदारी का पैसा

जीएसटी से आता है, वो जीएसटी जो हम और आप मेहनत के पैसे देकर चुकाते हैं और जब किसान की फसल खराब होती है तो यही बीमा कंपनी वाले उन्हें यह कहकर बीमा राशि देने से मना कर देते हैं कि उनके क्षेत्र में फसलों को नुकसान नहीं हुआ है। राहुल ने केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के बेटे के वीडियो पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को घेरा और कहा कि वीडियो में करोड़ों की डील हो रही है, लेकिन अभी तक ईडी, सीबीआई, इंकम टैक्स किसी ने भी कार्रवाई नहीं की। उनके रोड शो की शुरूआत पश्चिम विधानसभा के गढ़ा के पंडा जी की मढिया से हुई। इस दौरान उनके साथ पश्चिम से कांग्रेस प्रत्याशी तरूण भनोत और उत्तर से विनय सक्सेना वाहन रथ पर सवार हुए।

अखिल भारतीय बार परीक्षा के लिए आवेदन की तिथि फिर बढ़ी, अब 16 नवंबर तक भर सकते हैं फार्म

इंदौर। अखिल भारतीय बार परीक्षा के लिए आवेदन करने की तिथि एक बार फिर बढ़ गई है। पहले इस परीक्षा के लिए फार्म जमा करने की तिथि 10 नवंबर थी। इसे बढ़ाकर अब 16 नवंबर कर दिया गया है। यानी परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक अभिभाषक 16 नवंबर तक आवेदन कर सकते हैं। इंदौर अभिभाषक संघ अध्यक्ष गोपाल कचोलिया ने बताया कि पहले परीक्षा 29 अक्टूबर 2023 को होने वाली थी, लेकिन इस तिथि को बढ़ाकर 26 नवंबर कर दिया गया। बाद में परीक्षा की तिथि बढ़ाकर 3 दिसंबर 2023 तय की गई थी। अब एक बार फिर इसे बढ़ाकर 10 दिसंबर 2023 कर दिया गया है।

प्रावधिक प्रमाणपत्र जारी होता है

कचोलिया ने बताया कि वर्ष 2009 के बाद विधि स्नातक की उपाधि उत्तीर्ण करने वाले व्यक्ति सनद प्राप्त करने के लिए आवेदन मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद को भेजते हैं तब मप्र राज्य अधिवक्ता परिषद, उनका नाम अपनी सदस्यता सूची में दर्ज कर उन्हें विधि व्यवसाय के लिए पहले प्रावधिक प्रमाणपत्र जारी करती है। इस प्रमाणपत्र के आधार पर नामांकित व्यक्ति दो वर्ष तक विधि व्यवसाय कर सकता है। ऐसे व्यक्ति को बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित होने वाली अखिल भारतीय बार परीक्षा में शामिल होकर इसे उत्तीर्ण करना होता है। परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद उन्हें मूल सनद व विधि व्यवसाय के लिए प्रमाणपत्र प्रदान करती है। जिन व्यक्तियों ने विधि स्नातक की उपाधि वर्ष 2009 तक उत्तीर्ण कर ली थी, उन्हें अखिल भारतीय बार परीक्षा नहीं देनी पड़ती है।

बेटिया क्यों बे-मौत मारी जाती

लेखक - आर.सूर्या

कुछ को गला दिए जाते है
दुनिया में आने से पहले ही
माँ के पेट में दफना दिए जाते हैं
बेटिया क्यों बे-मौत मारी जाती
नन्ही सी फूल के आने से खुशियाँ नहीं
मातम मनाई जाती है
आज भी लड़को कि चाह में
लड़कियां ही जलाई जाती है
बेटिया क्यों बे-मौत मारी जाती
बस,कहने कि बात है हम
नये जमाने में जी रहे है
पर सोच तो आज भी
घटिया रूढ़ि वादी सोच के साथ जी रहे है
कहते है लड़की लड़का,सब समान है
पर असिलियत तो कुछ और है
जिसको देते है भगवान का दर्जा
वो डाक्टर भी चोर है
चंद पैसो के लिए भी
मासूम की जान से खेल जाते है
बेटिया क्यों बे-मौत मारी जाती
और कुछ बे मरज़ी से पैदा हो जाते है
वो कही फेक दिए जाते है
कुछ कुत्ते नोच खा जाते है
जो बच गये उसे हैवानियत लूट जाते
नजरिया कितनी गन्दी हो जाती है
कुछ लड़कियां कि मजबूरिया हो जाती है
बेटियां ही क्यों राख़ हो जाती है
दुनिया में आने से पहले बेटियां ही क्यों दफनाई जाती है।

नया रूख यादव समाज का भाजपा को समर्थन कांग्रेस से नाराज

कोतमा। जैसे जैसे चुनाव का वक्त नजदीक आते दिख रहा वैसे वैसे राजनीतिक गलियारो मे हलचले भी बढ़ने शुरू हो गए हैं? इस बार के चुनाव में अनूपपुर जिले के अंतर्गत तीनों विधानसभा में देश के दोनो बड़े राजनैतिक दलो ने अपने दमदार प्नत्याशियो को चुनावी मैदान में उतार जीत की उम्मीद लगाए हुए हैं और ऐसे वक्त में एक नई खबर निकलकर सामने आई है? जिसमें अनूपपुर जिले के कोतमा विधानसभा क्षेत्र के भाजपा से प्नत्याशी दिलीप जयसवाल को यादव समाज ने इस चुनाव में पूर्ण समर्थन देने का वादा किया है? यादव समाज की बैठक भाजपा प्नत्याशी श्री जयसवाल के साथ यादव समाज के जिला अध्यक्ष रामचरण यादव के निज निवास में संपन्न हुआ और इस दौरान एकत्रित हुए यादव समाज के सभी लोगों ने पूरे जोश खरोश एवं सम्पूर्ण ताकत के साथ भाजपा को समर्थन की बात कही तथा होने वाले चुनाव में भाजपा को प्नचण्ड बहुमत से विजयी बनाने का संकल्प लिया है?

कांग्रेस से नाराज हो यादव समाज ने भाजपा को समर्थन देने लिया फैसला

वहीं यादव समाज ने भाजपा को समर्थन देने के पीछे की वजह मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ द्वारा दिये बयान के विरोध में मान रही? जिसमें श्री कमलनाथ ने अपने बयान में शायद अखिलेश फखलेश का जिक्र कर दिया था साथ ही एक और यादव समाज के लाल कांग्रेस के एक कर्मठ व जुझारू तथा पूर्णरुपेण सिर्फ पार्टी के लिए समर्पण भाव से जनसेवक व मित्रवत बन कर कार्य करते रहे हैं? ऐसे युवा कांग्रेसी नेता संतोष यादव जिनको कांग्रेस में प्नदेश उपाध्यक्ष का दायित्व मिलने पश्चात ही तत्काल अगले ही दिन मिले पद के दायित्व के निष्कासन का कारण तत्कालीन कोतमा विधायक सुनील सराफ बने? साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं कांग्रेसी विधायक सुनील सराफ के बयानबाजी व हरकतों के कारण यादव समाज आहत होने का विषय सामने आया है? जिस वजह से नाराज होकर सम्पूर्ण अनूपपुर जिले में फैले इस समाज ने भाजपा को समर्थन देने का फैसला लिया है?

नारी शक्ति को मंच देकर जमीन पे बैठे सुनील सराफ

कैलाश कुमार (सह संपादक) युवा प्रदेश

अनूपपुर! कांग्रेस पार्टी से प्रत्यासी घोषित मौजूदा विधायक सुनील सराफ ने अपना नामांकन पर्चा एसडीएम कार्यालय कोतमा में भरा। जैसा कि सोमवार के दिन हवाओं में शोर था, उनका रुख भी उस शोर को यकीन में बदलता गया। यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि करीब दस हजार कोतमा वासियों का जत्था सुनील सराफ के समर्थन करने उनकी नामांकन रैली में उतर कर आया था।

दिग्गज हुए शामिल

सुनील सराफ के नामांकन रैली की वृहदता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी से लेकर जिला कांग्रेस कमेटी तक के हर दिग्गज इस नामांकन रैली में शामिल हुए। सबने अपनी पूरी ताकत से सुनील सराफ के समर्थन में अपनी आवाज बुलंद की।

वापिस कुर्सियां मंगवानी पड़ी

सोमवार के दिन 11 बजे रेलवे अंडरब्रिज के नजदीक अग्रसेन भवन पे सभी कार्यकर्ता इकट्ठा हुए और वहां से कांग्रेस प्रत्यासी सुनील सराफ की नामांकन रैली निकली। दोपहर करीब 1 बजकर 30 मिनट पे एसडीएम कार्यालय मे विधानसभा प्रत्यासी सुनील सराफ ने जाकर अपना नामांकन भरा और अपनी शक्ति प्रदर्शन रैली का नेतृत्व करने लग गए। सुनील सराफ की रैली में उमड़े जनसैलाब का असर इतना व्यापक रूप से पड़ा कि इतिहास में पहली बार किसी विधायक के कार्यक्रम में कुर्सियां घट गयी। लोगों के बैठने के लिए वापिस अलग से कुर्सियां मंगवाई गई।

नारी शक्ति को मंच देकर, खुद जमीन पे बैठे सुनील

सुनील सराफ के समर्थन में आयोजित गांधी चौक की आमसभा में इकट्ठा हुई भीड़ का जत्था इतना ज्यादा बढ़ गया कि पीछे कुछ महिलाओं को खड़े होकर कार्यक्रम देखना पड़ा। जिनपर विधायक सुनील सराफ की नजर पड़ते ही उन्होंने तुरन्त कुर्सियों का प्रबंध किया और अपना मंच उन नारी शक्तियों के नाम सौंप दिया।

धनबल की हार और जनबल की जीत हुईः सुनील सराफ

हजारों की तादाद से सजे मंच पर कोतमा विधायक ने माइक पकड़ते ही सिंह गर्जना की। उन्होंने कोतमा में फैली अफवाहों को झुठलाते हुए कोतमा विधानसभा की जनता को यह कहते हुए संबोधित किया कि; ÷आज धनबल हार गया है और जनबल जीत गया है। मैं कोतमा विधानसभा की जनता के चरणों मे अपना शीश रखकर नमन करता हूँ कि उन्होंने बिना किसी लोभ और पैसे की परवाह किए इतनी मजबूती से मेरे लिए अपनी ताकत दिखलाई।÷ विधायक प्रत्यासी सुनील सराफ के सम्बोधन में सबसे खास बात यह नजर आई कि वो कोतमा की जनता को उनकी हर कमियों को दिखाते हुए प्रदेश की भाजपा सरकार को घेरते रहे। बहरहाल देखना यही है कि आने वाला 17 नवम्बर कौन से प्रत्यासी के नाम होता है और 3 दिसम्बर को किस प्रत्यासी के नाम जीत की मोहर लगती है। गांधी चौक कोतमा पर आयोजित सुनील सराफ की आमसभा का सफल संचालन ब्लॉक कांग्रेस कोतमा के अध्यक्ष मनोज सोनी ने किया।

संस्कारधानी में साहित्यकारों का सम्मान

जबलपुर। संस्कारधानी में साहित्यकारों का सम्मान किया गया। डॉ विजयानन्द प्रयागराज उत्तर प्रदेश व डॉ हरेंद्र हर्ष बुलंदशहर उत्तर प्रदेश का जबलपुर संस्कारधानी में सशक्त हस्ताक्षर संस्था ने दिनांक 04.11. 2023 शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। सम्मान कार्यक्रम में गणेश श्रीवास्तव प्यासा जबलपुरी संस्थापक सशक्त हस्ताक्षर, कवि संगम त्रिपाठी, दिनेश ठाकुर, कवयित्री डॉ रेणु सिंह हापुड़, आर. के. राठौर सी एस पी जबलपुर उपस्थित रहे। सशक्त हस्ताक्षर के संस्थापक गणेश श्रीवास्तव प्यासा जबलपुरी ने कहा कि संस्कारधानी की संस्था सशक्त हस्ताक्षर साहित्य गतिविधियों में निरंतर प्रेरणादायक कार्य कर रही है जिसका उद्देश्य नव रचनाकारों को सशक्त मंच प्रदान करना है।

शहडोल जिले की तीनों विधानसभा सीटों पर खिलेगा कमल का फूल:इंद्रजीत सिंह छाबड़ा

शहडोल जिले से गंगाधर चौधरी की रिपोर्ट

शहडोल। शहडोल जिले के पूर्व भाजपा अध्यक्ष एवं प्रदेश भाजपा कार्य समिति सदस्य इंद्रजीत सिंह छाबड़ा सुदरू भईया ने कहा कि पूरे शहडोल जिले के अंदर भाजपा को लेकर जनता जनार्दन अपना भरपूर समर्थन एवं विश्वास भाजपा पार्टी के प्रति देखा जा रहा है क्योंकि जिस तरह से पूरे शहडोल जिले में जो चतुर्मुखी विकास किसी से छिपा नहीं है। जिले के अंदर तीनों विधानसभा सीटों पर विकास के कई बड़े ऐतिहासिक कम बीजेपी सरकार के कार्यकाल में ही हुए हैं आज इसका सीधा लाभ आम जनता को मिल रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज इंजीनियरिंग कॉलेज शहडोल संभाग में यह सभी भाजपा की सरकार बनने के बाद बड़े-बड़े ऐतिहासिक सौगात मिली हैं मेडिकल कॉलेज शहडोल जिले में ही मौजूद है जो कि विकास की रोशनी डाल रही है। पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छाबड़ा का कहना है कि जिस तरह से इस जिले को कांग्रेस ने सदैव विकास से पीछे रखा जनता आज भी उसे भूलि ही नहीं है । 2003 के पहले हमारे इस जिले की पहचान क्या थी और 2003 से लेकर 2023 में आज इस जिले की पहचान क्या है यह देखी जा सकती है भाजपा ने जनता से जो भी वादे किए उन वादों को पूरा भी किया लगातार यहां पर विकास के काम होते गए और उसी का नतीजा है कि मध्य प्रदेश के अंदर शहडोल जिले की अपनी एक अलग पहचान है। आदिवासी जिला होने के कारण यहां पर विकास के कामों को लेकर भाजपा सरकार ने जो काम किया है वह जिले के तीनों विधानसभा सीटों में देखा जा सकता है यही कारण है कि विधानसभा चुनाव में इन तीनों ही सीटों पर भाजपा की एक बार फिर ऐतिहासिक जीत होगी और मध्य प्रदेश के अंदर भाजपा की सरकार बनेगी। श्री छावड़ा ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरुआत की आवास योजना शुरू होने के साथ ही आज इसका पूरे देश के अंदर करोड़ों लोगों को झूंगी झोपड़ी के जगह पक्के मकान का लाभ मिल रहा है जो कल तक पक्के मकान का सपना देखते थे उस सपने को भाजपा की सरकार ने पूरा किया इतना ही नहीं मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार ने लाडली बहन योजना की शुरुआत की तो पूरे प्रदेश के अंदर इस योजना का आज करोड़ बहनों को लाभ मिल रहा है सरकार के द्वारा सीधे उनके खाते में राशि डाली जा रही है और कहीं ना कहीं जिस तरह से इस योजना की शुरुआत हुई आज पूरे प्रदेश के अंदर बहनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रदेश भाजपा सरकार की इस ऐतिहासिक योजना का हर कोई भूरी भूरी प्रशंसा कर रहा है मध्य प्रदेश के अंदर कई योजनाएं चल रही है योजनाओं का लाभ भी सीधा लोगों तक पहुंच रहा है बीच में किसी भी प्रकार की रुकावटें नहीं आ रही है। यही कारण है कि आज मतदाताओं में भी भाजपा को लेकर विश्वास देखा जा रहा है उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश की एसपी मुख्यमंत्री माननीय शिवराज सिंह चौहान ने पूरे प्रदेश का विकास किया यही कारण है कि पूरे प्रदेश के अंदर उनकी लोकप्रिय है पूरे प्रदेश के अंदर जनता में भाजपा पार्टी के प्रति अटल विश्वास देखा जा रहा है निश्चित ही मध्य प्रदेश में पूर्ण बहुमत से भाजपा की सरकार बनने जा रही है।

आनंद धाम शिवाजी नगर भोपाल में सोमवार 30 अक्टूबर 2023 को नाटक घासवाली का मंचन एवं पूर्व रंग किया गया

भोपाल। यामिनी कल्चरल एवं वेलफेयर सोसाइटी द्वारा मंचित इस नाटक में समाज मे फैली असमानता और नारी के कष्टों को दिखाने का प्रयत्न किया गया । मुंशी प्रेमचंद द्वारा लिखित इस नाटक का निर्देशन - रवींद्र मोरे ने किया। नाटक में बताया गया कि चर्मकार समाज गरीबी और संसाधनों के अभाव ।में जीवन जी रहा है। महावीर नाम का ये युवक अपनि जीविका चलाने के लिए ब्याज पर पैसा लेकर तांगा खरीद कर चलाता है फिर भी परिवार पेट नही पल पाता है। ना ही घोड़े को अच्छे से खिला पाता है। जब से मोटर गाड़ी चल पड़ी है।गांव में तांगे को भी कोई पूछता नही है। महावीर की शादी कुछ , समय पहले मुलिया नाम की खूबसूरत युवती से हुई हैं मुलिया को न चाहते हुएभी घर से बाहर घास काटने और बेचने जाना पड़ता है आते जाते रास्ते मे उसके साथ छेड़छाड़ होती है।एक दिन एक व्यक्ति रास्ते में मुलिया का हात पकड़ लेता है।जिससे मुलिया निडर हो कर सामना करती है।पर पति महावीर को नही

बताती है।क्योंकि महावीर इस अपमान का बदला लेने के लिए आतुर हो जाएगा। बाद में वह व्यक्ति गलती को समझता हैं।और मुलिया का सम्मान करता है इस। नाटक को दर्शकों ने खूब सराहा मंच पर इन कलाकारों ने अभिनय किया।

सूत्रधार- रविन्द्र मोरे ,प्रभात पांडे,फरहान बेग,महेंद्र,अमन शेख,संगीता यति,सम्राट,अखिलेश,मोहित

मतदाताओं को जागरूक करने के लिए हुई कबड्डी स्पर्धा अंबेडकर क्लब टीम बनी विजेता।

संवाददाता हल्केवीर

देवरी। मतदाता जागरूकता दिवस के शुभ अवसर पर देवरी तहसील जिला रायसेन एक दिवसीय कबड्डी टूर्नामेंट आयोजन रखा गया था जिसमें पौड़ी खमरिया एवं देवरी डॉ आंबेडकर क्लब ने फाइनल में विजय हासिल की पौड़ी का स्कोर 20 और अंबेडकर क्लब देवी का स्कोर 40 रहा जिसमें अंबेडकर क्लब टीम कोच राकेश अंबेडकर और टीम के हमारे अंबेडकर क्लब के सीनियर खिलाड़ी भाई आशीष बघेल ने अपनी टीम को जीत हासिल कराई कबड्डी टीम कप्तान सूरज पथरीले बेस्ट रेडर एवं बेस्ट डिफेंडर राघवेंद्र बघेल मनजीत बघेल सचिन बघेल सागर पथरेल मोनू मंड्रे मनीष गौरव पथरेल मनोज बघेल रवि बघेल भगवानदास कटियार हीरालाल कटियार निलेश बघेल एवं अंबेडकर क्लब देवरी उपस्थिति रही।

कई मामलों की जांच में देरी से बढ़ाना पड़ा आयोग का कार्यकाल

जांच आयोग में फंसा पटवारियों का भविष्य

आयोग की ओर से सरकार को रिपोर्ट नहीं दी गई

भोपाल। मप्र में पटवारी परीक्षा में धांधली सामने आने के बाद मामले की जांच कराने के लिए सरकार ने जांच आयोग का गठन कर दिया। लेकिन आयोग की जांच की गति इतनी धीमी रही कि 8 हजार से अधिक चयनित उम्मीदवारों का भविष्य अधर में लटक गया है। अब चुनाव की आचार संहिता लग गई है। ऐसे में चयनित पटवारियों के भाग्य का फैसला अब नए साल में ही होने की संभावना है। जांच आयोग की धीमी गति में केवल चयनित पटवारी का ही मामला नहीं बल्कि कई और केस उलझे हुए हैं। ऐसे में जांच आयोगों पर भी सवाल उठने लगे हैं।

गौरतलब है कि प्रदेश में किसी घटना या फिर अपराध पर सजा के लिए बने आयोग की चाल कछुए की तरह है। पटवारी परीक्षा घोटाले, लटेरी कांड और तीन आईपीएफ के खिलाफ जांच आयोग का गठन किया। पटवारी परीक्षा मामले की जांच की डेडलाइन को निकले दो महीने पूरे हो चुके हैं। नतीजा यह है कि आयोग की ओर से सरकार को रिपोर्ट नहीं दी गई है। लटेरी कांड मामले में सिफारिशों का लागू करने के लिए निर्देश दिए गए हैं, लेकिन अमल नहीं हुआ है। अभी फाइनल रिपोर्ट नहीं सरकार को सौंपी गई है। विदिशा के लटेरी में आदिवासी की मौत के मामले में साल भर से अधिक आयोग का समय बीत चुका है। इसके बाद भी आयोग की रिपोर्ट नहीं सौंपी गई है। अब लटेरी कांड का मामला अगले साल तक के लिए अटका दिया गया है। समय सीमा के अंदर आयोग की जांच पूरी नहीं होने पर डेडलाइन तीसरी बार सरकार को बढ़ानी पड़ी है।

आयोग की जांच चल रही

प्रदेश में विभिन्न घटनाओं और अपराधों की जांच के लिए बनाए गए आयोग वर्षों तक मामले की पड़ताल करते हैं। उसके बाद जब वे रिपोर्ट सौंपते हैं तो वे भी ठंडे बस्ते में चली जाती है। ऐसे कई मामले प्रदेश में ऐसे चल रहे हैं जिनकी जांच चल रही है। लोकसभा चुनाव में हवाला लेनदेन के मामले में तीन आईपीएस अफसरों के खिलाफ जांच बैठा दी गई। इस आयोग में तीन अफसरों के खिलाफ रिटायर्ड जज जांच कर रहे हैं। हालांकि इस कमेटी की जांच की समय सीमा तक नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि अफसरों ने आरोप पत्र का जवाब दे दिया है। इसके बाद भी सुनवाई नहीं हुई है।

» तापमान में नहीं होगी ज्यादा गिरावट, औसत से अधिक रहेगा पारा

गुलाबी सर्दी की दस्तक का इंतजार

भोपाल। जम्मू-कश्मीर में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से शहर के तापमान में उतार-चढ़ाव का सिलसिला अभी भी जारी है। आसमान में बादलों की आवाजाही बनी हुई है, साथ ही हवा का रुख भी उत्तर-पूर्वी है। इसके चलते दिन और रात का तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया जा रहा है। दो दिन के बाद शनिवार को एक बार फिर रात का पारा 16 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल तापमान सामान्य से अधिक ही रहेगा। लगभग एक सप्ताह तक शहर के तापमान में ज्यादा उतार-चढ़ाव देखने को नहीं मिलेगा। गत तीन अक्टूबर को मानसून की विदाई के साथ ही शहर में गुलाबी सर्दी की दस्तक का लोग इंतजार करने लगे थे। इसी बीच जम्मू-कश्मीर में लगातार आ रहे पश्चिमी विक्षोभ ने शहर के मौसम को पूरी तरह से प्रभावित करना शुरू कर दिया। गत 27 अक्टूबर को रात का तापमान 14 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया था, लेकिन उसके बाद से जम्मू-कश्मीर में आ रहे पश्चिमी विक्षोभों के प्रभाव से तापमान में बढ़त का सिलसिला चल रहा है।

अनुसग्नक 47
प्रारूप सी–1
(समाचार पत्र, टीवी में प्रकाशन हेतु)

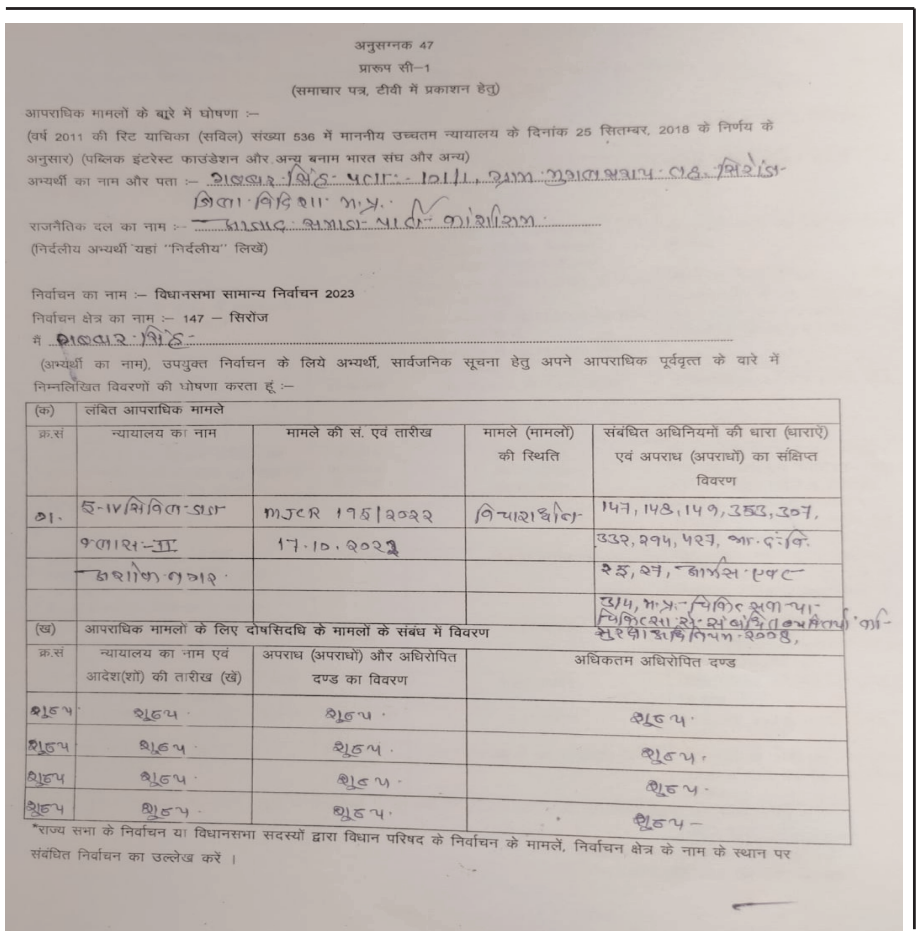

आपराधिक मामलों के बारे में घोषणा :–
(वर्ष 2011 की रिट याचिका (सविल) संख्या 536 में माननीय उच्चतम न्यायालय के दिनांक 25 सितम्बर, 2018 के निर्णय के अनुसार) (पब्लिक इंटरेस्ट फाउंडेशन और अन्य बनाम भारत संघ और अन्य)
अभ्यर्थी का नाम और पता :– [illegible]
राजनैतिक दल का नाम :– [illegible]
(निर्दलीय अभ्यर्थी यहां "निर्दलीय" लिखें)

निर्वाचन का नाम :– विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2023
निर्वाचन क्षेत्र का नाम :– 147 – सिरोंज
मैं [illegible]
(अभ्यर्थी का नाम), उपयुक्त निर्वाचन के लिये अभ्यर्थी, सार्वजनिक सूचना हेतु अपने आपराधिक पूर्ववृत्त के वारे में निम्नलिखित विवरणों की घोषणा करता हूं :–

(क)	लंबित आपराधिक मामले			
क्र.सं	न्यायालय का नाम	मामले की सं. एवं तारीख	मामले (मामलों) की स्थिति	संबंधित अधिनियमों की धारा (धाराएं) एवं अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण
01.	[illegible]	MJCR 175/2022 17.10.2022	[illegible]	147, 148, 149, 353, 307, 332, 294, 427, [illegible] 25, 27, [illegible]

(ख)	आपराधिक मामलों के लिए दोषसिदधि के मामलों के संबंध में विवरण		
क्र.सं	न्यायालय का नाम एवं आदेश(शों) की तारीख (खें)	अपराध (अपराधों) और अधिरोपित दण्ड का विवरण	अधिकतम अधिरोपित दण्ड
शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

*राज्य सभा के निर्वाचन या विधानसभा सदस्यों द्वारा विधान परिषद के निर्वाचन के मामलें, निर्वाचन क्षेत्र के नाम के स्थान पर संबंधित निर्वाचन का उल्लेख करें ।

कांग्रेस प्रत्याशी ने लगाया बीजेपी पर परिवारवाद और भ्रष्टाचार के आरोप

गोविंदपुरा में 50 सालों से एक ही पार्टी एक ही परिवार का राज : रविंद्र साहू झूमर वाला

» भोपाल के गोविंदपुरा विधानसभा अवधपुरी में भाजपा प्रत्याशी श्रीमती कृष्णा गौर के खिलाफ रहवासियों का जन आक्रोश

भोपाल। रविंद्र साहू ने रविवार को वार्ड क्रमांक 53 में दौरान गोविंदपुरा स्थित अवधपुरी बी डी ए रोड से केनरा बैंक कॉलोनी के निवासी क्षेत्र की समस्या के लिए विशाल धरना प्रदर्शन में रविंद्र साहू झूमर वाला ने धरना स्थल पर पहुंचकर जनता का साथ दिया। रविंद्र साहू ने कहा कि गोविंदपुरा में 50 सालों से एक ही पार्टी एक ही परिवार का राज है एक तरफ भाजपा परिवारवाद की बात करती है और दूसरी और गोविंदपुरा विधानसभा में 50 सालों से एक ही परिवारवाद गढ़ बना कर रखी है। डबल इंजन सरकार की बात करती है और विकास के नाम पर जीरो बटा सन्नाटा पूरे मध्य प्रदेश में नजर आता दिखाई दे रहा। भाजपा सरकार 50 पर्सेंट कमीशन काम कर कर गोविंदपुरा में भ्रष्टाचार की भरमार फैला कर रखी है।

चुनाव प्रचार | नरेला में हुए विकास कार्यों के लिए रहवासियों ने विश्वास सारंग को दिया धन्यवाद

मेरी हमेशा कोशिश रहती है की मैं सच्चे जनप्रतिनिधि के रूप में जनता के बीच में काम करता रहूं : सारंग

भोपाल। पहले फेज में सभी 17 वार्डों में घर-घर जनसंपर्क के बाद भोपाल की नरेला विधानसभा से भाजपा उम्मीदवार विश्वास सारंग ने अपना जनसंपर्क 2.0 शुरु कर दिया है. दूसरे फेज में सारंग उन इलाकों में जनसंपर्क कर रहे है जो पहले फेज में छूट गए थे। रविवार को उन्होंने वार्ड क्रमांक 76 में जनसम्पर्क किया। इस दौरान उन्हें लोगों का जबरदस्त समर्थन मिला।

रहवासियों ने उनके द्वारा क्षेत्र में किए विकास कार्यों के लिए धन्यवाद दिया। इस दौरान विश्वास सारंग ने कहा, जनता ने हमारे विकास को शिरोधार किया है। मैंने पूरी कोशिश की है कि मैं सच्चे जनप्रतिनिधि के रूप में जनता के बीच में काम करूं। लोगों की शिकायत रहती है की चुनाव के बाद 5 साल तक क्षेत्र में विधायक नजर नहीं आते, लेकिन मैं लोगों को दिन में 5-5 बार क्षेत्र में नजर आता हूं। सारंग ने कहा, हमने नरेला में विकास के रिकॉर्ड तोड़े है।

» महिलाओं ने उतारी आरती

सुबह जनसंपर्क की शुरुआत सारंग ने वार्ड 76 के रासलाखेड़ी स्थित दुर्गा मंदिर से की। सारंग जिस गली से निकले वहां के घरों की छतों से रहवासी उन पर फूलों की बारिश की। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक हर कोई अपने घरों से निकल कर उनके स्वागत के लिए खड़े हो गए। महिलाओं ने उनकी आरती उतरती और तिलक लगाया। रहवासियों ने उनका जम कर ढ़ोल-ढ़ामाकों के साथ स्वागत किया और क्षेत्र में हुए विकास कार्यों के लिए धन्यवाद दिया। इस दौरान उन्होंने सभी बुजुर्गों के पैर छू कर जीत का आशीर्वाद लिया।

धनतेरस से लेकर दिवाली तक रहेगी त्योहारों की धूम

भोपाल। कार्तिक मास बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस माह में कई खास व्रत और त्योहार मनाए जाते हैं। इनमें प्रमुख हैं -धनतेरस, दिवाली, लोक आस्था का महापर्व छठ, देवउठनी एकादशी और तुलसी विवाह। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि के अगले दिन से कार्तिक मास का आरंभ होता है। इस वर्ष कार्तिक माह 29 अक्टूबर से प्रारंभ हो चुका है। इस माह में गंगा स्नान की भी परंपरा है। इसके साथ ही पंथ, गीत, तपस्या और दान भी किए जाते हैं। धार्मिक मान्यता है कि कार्तिक माह में गंगा स्नान करने से भक्त के अनजाने में किए गए सभी पाप धुल जाते हैं।

योगी राज में विधायिका पर भारी है यूपी की कार्यपालिका

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ न केवल सख्त शासक हैं। उनकी छवि काफी साथ-सुथरी है। करीब साढ़े छहः साल के शासनकाल में योगी सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है। यह एक अच्छी बात है। जनता भी ऐसी ही सरकार चाहती है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि योगी को छोड़कर यूपी के अन्य सभी राजनेता बेईमान और भ्रष्टाचारी हैं। सभी दलों में अच्छे-बुरे दोनों किस्म के नेता मौजूद हैं। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी का भी यही 'मिजाज' है। यहां भी अन्य दलों की तरह दोनों किस्म के नेता देखने को मिलते हैं। मगर बीजेपी आलाकमान को अपने किसी भी नेता पर भरोसा नहीं है। यहां तक की योगी सरकार के मंत्री भी सरकारी मशीनरी के सामने 'पंख कटे' नजर आते हैं। इसकी वजह है कि बीजेपी में सभी नेताओं को एक ही तराजू में तौला जा रहा हैं। कहने को तो उसके तमाम नेता जनप्रतिनिधि होने का भी रूतबा रखते हैं, लेकिन इन्हें पूरी तरह से दंतविहीन बना दिया गया है। यह न तो कभी अपने क्षेत्र में पुलिस उत्पीड़न के शिकार लोगों के पक्ष में थाने जा सकते हैं, न शासन-प्रशासन में बैठे अधिकारी उनकी सुनते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकारी मशीनरी को आदेश दे रखा है कि यदि कोई बीजेपी नेता उनके पास किसी की सिफारिश लेकर आये तो उसकी बात सुनने की आवश्यता नहीं है, बल्कि अधिकारी अपने विवेक से सही गलत का फैसला लें। यह सब बातें किसी फाइल में तो नहीं कोड की गई हैं, परंतु राजनीति के गलियारों में यह चर्चा आम है कि जिस तरह से समाजवादी पार्टी की सरकार के समय उसके (सपा) सांसद/मंत्री/विधायक आदि जनप्रतिनिधि पुलिस और सरकारी मशीनरी पर दबाव बना लेते थे, वैसा दबाव बीजेपी के जनप्रतिनिधि नहीं बना पाते हैं। होता यह है कि जब भी बीजेपी का कोई नेता किसी सरकारी अधिकारी या पुलिस के पास पहुंचता है तो उसे सीएम योगी का फरमान याद दिला दिया जाता है। या यों कहें उन्हें अपमानित करके वापस भेज दिया जाता है। हालात यह है कि यूपी सरकार के अधिकारी बीजेपी के किसी भी जनप्रतिनिधि को भाव नहीं देते हैं तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास भी ऐसे नेताओं से मिलने का टाइम नहीं रहता है। इसको लेकर योगी के पिछले शासन में बीजेपी के जनप्रतिनिधियों ने विधानसभा के अंदर प्रदर्शन भी किया था, लेकिन सीएम योगी आदित्यनाथ की अपने ही जनप्रतिनिधियों से दूरी हमेशा चर्चा में रहती है। यहां तक की दिल्ली भी इस मामले में कुछ नहीं कर पा रहा है, क्योंकि आज की तारीख में पार्टी के अंदर योगी का कद काफी बढ़ा हुआ है, इसलिए उन्हें कहीं से चुनौती भी नहीं मिलती है। इसी के चलते पीड़ितों व आम लोगों से पुलिसकर्मियों के दुर्व्यवहार के मामले तो आए दिन सामने आते रहते हैं। पुलिस अधिकारियों व कर्मियों द्वारा माननीयों से भी अच्छा व्यवहार न किए जाने की शिकायतें बढ़ रही हैं। कहने को तो सीएम योगी आदित्यनाथ अक्सर कहते मिल जाते हैं कि जनप्रतिनिधियों का पूरा सम्मान किया जाये। इस बार भी योगी द्वारा माननीयों के प्रति शिष्टाचार व अनुमन्य प्रोटोकाल का अनुपालन सुनिश्चित कराए जाने के कड़े निर्देश दिए गए हैं।

बोले पीएम मोदी- मुझे जो गालियां पड़ रही हैं उसका कारण काली कमाई की दुकानों को बंद करना है

सतना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सतना मैं आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सबसे पहले बघेली भाषा में उपस्थित जनता जनार्दन को न केवल प्रणाम किया बल्कि मंच से ही वह कांग्रेस पर जमकर हमलावर रहे । उन्होंने कहा कि मतदान से पहले ही कांग्रेस के झूठ का गुब्बारा फूट गया है। उसके पास मध्यप्रदेश के विकास का कोई रोडमैप नहीं है। कांग्रेस के थके-हारे चेहरों में मध्य प्रदेश के युवाओं को कोई भविष्य नहीं दिखता। इसीलिए मध्य प्रदेश को मोदी की गारंटी पर भरोसा है। जहां-जहां कांग्रेस आई, वहां तबाही लाई है। पीएम मोदी ने कहा कि मुझे जो गालियां पड़ रही हैं उसका कारण काली कमाई की दुकानों को बंद करना है

मोदी की गारंटी है कि उनका घर भी बनेगा

मोदी ने वादा करते हुए कहा, अयोध्या में जिस भक्ति से हम प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बना रहे हैं, उसी भक्ति से गरीबों के घर भी बनाते हैं। जिन्हें अभी भी घर नहीं मिला है, उन्हें मोदी की गारंटी है कि उनका घर भी बनेगा। 3 दिसंबर को सरकार वापसी पर प्रधानमंत्री आवास का काम तेजी से शुरू होगा। ये मोदी है, जिसने 4 करोड़ घर बनाए, लेकिन खुद के लिए घर नहीं बनाया।

राम मंदिर से पूरे देश में खुशी की लहर

मैं आजकल जहां भी जाता हूं, वहां अयोध्या में बन रहे प्रभु राम के मंदिर की चर्चा चलती है। पूरे देश में खुशी की लहर है। सौभाग्य से भरे इस पावन कालखंड में मेरे मन में एक बात बार-बार आती है। यह बात मुझे आंदोलित करती रहती है और मुझे तेज गति से दौड़ने की प्रेरणा देती रहती है। यह बात है- राम काज कीन्हें बिनु, मोहि कहां विश्राम...। अब रुकना नहीं है, थकना नहीं है।

जिन आंकड़ों पर नीतीश कुमार को शर्मिंदा होना चाहिए, उसे गर्व के साथ पेश कर रही है सरकार

विपक्षी दलों के हंगामा के बीच जिस अंदाज में बिहार सरकार ने इस रिपोर्ट को विधानसभा में पेश किया उससे कई सवाल खड़े हो रहे हैं। बिहार शायद देश का इकलौता ऐसा अनोखा राज्य है जिस राज्य में कोई भी राजनीतिक दल अपने आप को बिहार की दुर्दशा के पाप से अलग नहीं रख सकता है। बिहार की जेडीयू-आरजेडी गठबंधन सरकार ने मंगलवार को बिहार विधानसभा में जातिगत जनगणना से जुड़े आंकड़ों को पेश कर दिया। सरकार ने इन आंकड़ों में राज्य में आबादी की शैक्षणिक स्थिति के बारे में जानकारी दी है। यह भी बताया कि राज्य में किस जाति में कितने प्रतिशत लोग गरीब हैं। किस जाति के कितने प्रतिशत लोग शिक्षित हैं। विपक्षी दलों के हंगामा के बीच जिस अंदाज में बिहार सरकार ने इस रिपोर्ट को विधानसभा में पेश किया उससे कई सवाल खड़े हो रहे हैं। बिहार शायद देश का इकलौता ऐसा अनोखा राज्य है जिस राज्य में कोई भी राजनीतिक दल अपने आप को बिहार की दुर्दशा के पाप से अलग नहीं रख सकता है। बिहार की दयनीय हालत का अंदाजा इससे लगा सकते हैं कि जिस रिपोर्ट पर वहां के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, वहां के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव एवं उनके पिता लालू यादव और कुछ हद तक विपक्षी भाजपा को भी शर्मिंदा होना चाहिए। उस रिपोर्ट को नीतीश सरकार ने गर्व के साथ सदन के अंदर पेश कर दिया। बिहार में कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर 1990 में भाजपा के समर्थन से लालू यादव बिहार के मुख्यमंत्री बने। 1990 में नीतीश कुमार लालू यादव के साथ थे। राबड़ी देवी के भाइयों के बढ़ते प्रभाव और नीतीश की मौजूदगी में तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू यादव द्वारा राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह के साथ किए गए व्यवहार के बाद नीतीश कुमार ने लालू यादव से अलग होकर अपनी पार्टी बनाई। भाजपा के साथ मिलकर लड़ते रहे। और फिर फाइनली 15 साल बाद वर्ष 2005 में नीतीश कुमार, लालू परिवार (राबड़ी देवी) को बिहार की सत्ता से हटा कर बिहार के मुख्यमंत्री

बने। इसके बाद नीतीश कुमार लगातार 8 साल तक भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री रहे। भाजपा ने सिर्फ समर्थन ही नहीं दिया बल्कि सरकार में शामिल भी रही। नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय फलक पर आने के बाद नीतीश कुमार कभी भाजपा के साथ तो कभी लालू यादव के साथ मिलकर सरकार बनाते रहे। नीतीश कुमार के उपमुख्यमंत्री और मंत्री तो बदलते रहे लेकिन मुख्यमंत्री पद नीतीश कुमार के पास ही रहा।

पहले लालू यादव फिर उनकी पत्नी और फिर नीतीश कुमार, ये तीनों मिलकर 1990 के बाद से बिहार पर राज कर रहे हैं, यानी पिछले 33 वर्षों से बिहार के भाग्य विधाता बने हुए हैं और उसके बाद भी बिहार की हालत कितनी दयनीय हो गए हैं, यह इन्ही की सरकार द्वारा विधानसभा में पेश किए गए आंकड़े बताते हैं। जरा इन आंकड़ों पर गौर कीजिए। बिहार सरकार द्वारा पेश किए गए आंकड़े के मुताबिक राज्य में 32.1 फीसदी लोग ऐसे हैं जो कभी स्कूल ही नहीं गए हैं। बिहार की 22.67 आबादी ने सिर्फ पहली से पांचवी तक की शिक्षा हासिल की है। कक्षा 11 से 12 तक पढ़ने वाले लोगों का आंकड़ा सिर्फ 9.19 फीसदी है और बिहार में ग्रेजुएट तक कि पढ़ाई करने वाले लोग सिर्फ 7 फीसदी ही है। सामान्य वर्ग की बात तो छोड़ ही दीजिए लेकिन जिस धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय के नाम पर लालू-नीतीश पिछले 33 वर्षों से बिहार पर राज कर रहे हैं उस बिहार में मुसलमानों की बात करें तो 25.84 फीसदी शेख गरीब है। पठान में 22.2 फीसदी और सैयद में 17.61 फीसदी परिवार अभी भी गरीब है। सामाजिक न्याय के नाम पर मसीहा बनने वाले लालू/नीतीश के 33 वर्षों के राज के बावजूद 29.87 फीसदी तेली, 34.56 फीसदी मल्लाह, 32.99 फीसदी कानू, 34.75 फीसदी धानुक, 35.88 फीसदी नोनिया,38.37 फीसदी नाई परिवार गरीब है। किसी भी राज्य पर 33 वर्षों तक राज करने वाले राजनीतिक दलों के लिए यह आंकड़ा अपने आप में काफी शर्मनाक है कि आज भी बिहार में सामान्य वर्ग में गरीब परिवारों की संख्या 25.09 फीसदी है। आरक्षण का लाभ हासिल करने के बावजूद, पिछड़ा वर्ग के तहत आने वाले लोगों में 33.16 फीसदी परिवार गरीब हैं तो वहीं अत्यंत पिछड़ा से ताल्लुक रखने वाले 33.58 फीसदी परिवार गरीब हैं। अनुसूचित जाति में 42.93 फीसदी गरीब परिवार हैं तो वहीं अनुसूचित जनजाति में 42.70 फीसदी परिवार गरीब है। बिहार की इस हालत के लिए निश्चित तौर पर बिहार में राज करने वाले नेता तो जिम्मेदार है।

सभी दलों में चुनाव दर चुनाव बढ़ती जा रही है बागियों की संख्या

पांच राज्यों के विधानसभा से पहले अनेक राजनीतिक दलों एवं उनके नेताओं के बीच बड़ी उठापटक, खींचतान एवं चरित्रगत बदलाव देखने को मिल रहे हैं। राजस्थान एवं मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी एवं कांग्रेस ही आमने-सामने की स्थिति में हैं, लेकिन टिकट बंटवारे को लेकर इन दोनों ही दलों में दोनों ही राज्यों में व्यापक बदलाव देखने को मिल रहा है। दोनों ही दलों में अपने आपको पार्टी का सर्वेसर्वा मानने वाले नेताओं की इस बार टिकट बंटवारे में दाल नहीं गली और वे अपने चेहतों को टिकट देने में नाकाम साबित हुए, जिससे दोनों ही दलों में भारी असंतोष एवं विद्रोह देखने को मिल रहा है। प्रदेश के शीर्ष नेताओं को भी टिकट न मिलने से बागी एवं बगावती स्वर उभर रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि क्या अब चुनाव का टिकट पाना या उसका कटना ही नेताओं के जीवन-मरण का प्रश्न बन गया है? क्या पार्टी के प्रति बफादारी का गुब्बारा एक टिकट न मिलने की सूई से ही हवा शून्य हो गया है? एक प्रश्न और है कि टिकट क्या किन्हीं नेताओं की बपौती है, फिर बाकी कार्यकर्ताओं का क्या वजूद है जो सालों से पार्टी के लिये जी-जान लगाये होते हैं? क्या राजनीति अब सबसे ज्यादा लाभ और रौब का धंधा बन चुकी है? लोकतंत्र में जब मूल्य एवं सिद्धान्त कमजोर हो जाते हैं और सिर्फ निजी हैसियत को ऊंचा करना ही महत्वपूर्ण हो जाता है वह लोकतंत्र निश्चित रूप से कमजोर हो जाता है। अफसोस, कि जिस जन की सेवा के लिए चुनाव टिकट रूपी एंट्री पास तैयार किया गया है, वह 'जन' पहले भी हतप्रभ था, आज भी है और शायद आगे भी रहेगा। क्योंकि आम मतदाता तो पहले भी ठगा जाता था, गुमराह किया जाता था। आज भी उसके साथ यही हो रहा है? टिकट की दौड़ के लिये सक्रिय होने एवं पांच साल में केवल चुनाव के समय नजर आने वाले उम्मीदवारों को दोनों पार्टियों ने टिकट न देकर एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया है। राजनीति में ऐसे ही साहसिक एवं अभिनव प्रयोग की अपेक्षा है, ताकि राजनीति में प्रतिनिधित्व की पात्रता किन्हीं सीमित हाथों से बाहर आये एवं नये चेहरों को अपना हुनर दिखाने का अवसर मिले। राजस्थान विधानसभा चुनावों के लिए नामांकन के आखिरी दिन अनेक चेहरों को निराशा हाथ लगी है। भाजपा की आखिरी लिस्ट आ चुकी है, लेकिन इस लिस्ट में केंद्रीय नेतृत्व ने वसुंधरा राजे को किनारे कर दिया है। भाजपा ने इस बार वसुंधरा राजे के कई समर्थकों के टिकट काट दिए हैं। इनमें अशोक परनामी, अरुण चतुर्वेदी प्रमुख हैं और दोनों नेता ऐसे हैं जो पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष भी रह चुके हैं। इनके साथ ही पूर्व मंत्री एवं राजे के खास यूनुस खान का भी टिकट काट दिया गया है।

ईडी की कार्रवाई पर केंद्रित हुआ दूसरे चरण का चुनाव प्रचार, दिग्गजों ने तेज की घेराबंदी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण का प्रचार समाप्त होने से दो दिन पहले से ही ईडी बम फूट पड़ा। दरअसल, आनलाइन सट्टा महादेव एप को लेकर की गई प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई के बाद सरकार से जुड़े लोगों पर 508 करोड़ रुपये लेने का आरोप लगा है। इसके बाद अब दूसरे चरण का चुनाव प्रचार ईडी के आसपास सिमट गया है। भाजपा की ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह समेत भाजपा के तमाम स्टार प्रचारकों ने भ्रष्टाचार के मामले में कांग्रेस की घेराबंदी तेज कर दी है। चुनावी सभाओं में दोनों ही पार्टियां ईडी की कार्रवाई को लेकर ही आमने-सामने दिख रही हैं। सभाओं में पक्ष-विपक्ष के नेता घोषणा पत्र का कम बल्कि ईडी की पूर्व में की गई कार्रवाई के साथ सत्ता से जुड़े लोगों पर 508 करोड़ रुपये लिए जाने के आरोप को लेकर ही बात कर रहे हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने भी मोर्चा संभाल रखा है।

आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज

ईडी को लेकर प्रदेश में आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी तेज हो गया है। छह नवंबर को छत्तीसगढ़ के कोंडागांव विधानसभा क्षेत्र में चुनावी सभा संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा था कि अभी तक कांग्रेस का रिमोट इटली के हाथ में था और अब पता चला कि एक रिमोट दुबई में भी है। उन्होंने छत्तीसगढ़ में दुबई के माध्यम से कथित रूप से आनलाइन सट्टा का खेल चलाने का आरोप लगाया था। वहीं, कांग्रेस के आयोग में शिकायत करने के बाद बाद कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा था कि भाजपा को हार से बचाने के लिए मोदी सराकर ईडी कार्रवाई कर रही है।

नक्सल खौफ को दरकिनार कर मतदाताओं ने किया 75.62 प्रतिशत मतदान

जगदलपुर। बस्तर ने लोकतंत्र की परीक्षा डिस्टिंक्शन से उत्तीर्ण कर ली है। निर्वाचन आयोग ने छत्तीसगढ़ में प्रथम चरण में 20 सीट पर हुए मतदान के आंकड़ें जारी कर दिए है। इसमें नक्सल प्रभावित बस्तर की 12 विधानसभा सीट पर 75.62 प्रतिशत मतदाताओं ने लोकतंत्र को बनाए रखने के लिए जमकर उत्साह दिखाया है। 2018 के विधानसभा चुनाव में 73.31 प्रतिशत लोगों ने मतदान किया था। इस बार 2.31 प्रतिशत अधिक लोगों ने मतदान किया है। इसमें नक्सल संवेदनशील क्षेत्र के मतदाताओं ने भी नक्सल डर को दरकिनार करते हुए जमकर मतदान किया। विगत चार वर्ष में जिस तरह से सुरक्षा बल ने बस्तर को सुरक्षित करने में योगदान दिया है, इसका भारी असर पड़ा है। आयोग की ओर से बस्तर में मिनपा, सिलगेर, चांदामेटा सहित 126 नए मतदान केंद्र नक्सलियों के गढ़ माने जाने वाले क्षेत्र में खोले गए थे। इसमें ग्रामीणों ने जमकर उत्साह दिखाते हुए गनतंत्र से आगे बढ़कर गणतंत्र पर भरोसा जताया है। बस्तर जिले के चांदामेटा में पहली बार मतदान हुआ। गांव के युवा श्याम कवासी ने भी पहली बार मतदान किया। वह गांव में खोले गए नए स्कूल में शिक्षादूत है। कवासी बताते हैं कि यह गांव पूरी तरह से नक्सल प्रभाव में था। दो वर्ष पहले सुरक्षा बल के यहां आने के बाद वह गांव लौटा है। ग्रामीणों का भरोसा भी लोकतंत्र पर बढ़ा है।

यहां मुख्यधारा में लौट आए गांव के दो दर्जन पूर्व नक्सलियों ने भी वोट डालकर जनतंत्र को बनाए रखने में अपना योगदान दिया। झीरम गांव में 2013 में कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा में हुए हमले के बाद गांव के आसपास आधा दर्जन सुरक्षा बल के कैंप खोले गए हैं। इस बार विस्थापित मतदान केंद्र को गांव में खोला गया। गांव के स्कूल में शिक्षक फूलसिंह कोवाची ने बताया कि मतदान को लेकर ग्रामीणों ने जमकर उत्साह दिखाया है। बस्तर में मतदान प्रतिशत बढ़ने के पीछे स्पष्ट तरीके से सुरक्षा बल के प्रयासों का असर दिखाई दिया। पिछले चार वर्ष में सुरक्षा बल की ओर से बस्तर के नक्सल प्रभाव वाले क्षेत्र में 65 सुरक्षा बल के कैंप खोलकर लगातार नक्सलरोधी अभियान चलाया गया। इससे नक्सलियों को बैकफुट पर जाना पड़ा है। सुरक्षा बल के सामुदायिक पुलिस कार्यक्रम व स्थानीय बोली में चलाए गए अभियान से भी करीब 1500 से अधिक नक्सलियों ने पिछले कुछ वर्ष में आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटे, जिससे नक्सलियों का चुनाव पर प्रभाव बेअसर रहा।

वायुसेना की रंग लाई मेहनत

बस्तर संभाग में सफलतापूर्व चुनाव कराने में वायुसेना का भी अतुलनीय योगदान रहा। बस्तर में शत-प्रतिशत मतदान के लिए आयोग की ओर से 156 मतदान केंद्र, जहां सड़क मार्ग से नहीं जा सकते थे। वहां हेलीकाप्टर के माध्यम से ईवीएम व मतदान दल को भेजा गया।

विज्ञान माडल के माध्यम से शहर व प्रदेश के बाल वैज्ञानिकों ने विदेशों में चल रहे जंग को खत्म करने का दिया संदेश

बिलासपुर। 10 नवंबर को शांति और विकास के लिए विश्व विज्ञान दिवस मनाया जाता है। नई पीढ़ी के छात्राओं के मन में वैज्ञानिक बनने की रूची में काफी बढ़ोत्तरी हुई है। यही वजह है कि बिलासपुर समेत प्रदेश के बाल वैज्ञानिकों ने अपने विज्ञान माडल के माध्यम से विदेशों में चल रहे जंग को खत्म करने व विश्व में शांति व विकास पर काम करने का संदेश दिया। इस पर बाल वैज्ञानिकों का माडल का राष्ट्रीय स्तर पर चयन हुआ है। साथ ही पुरस्कृत भी हुए हैं। अब छात्र अपने माडल के माध्यम से विश्व में कैसे शांति व विकास लाया जा सकता है, इसके बारे में आम जनता को जागरूक कर रहे हैं। पंजाब के अमृतसर में देशभर के सरस्वती शिशु मंदिरों के बाल वैज्ञानिक 11 जून से शामिल हुए। इनके बीच शांति और विकास को थीम बनाते हुए अपने-अपने माडल प्रस्तुत करने की कड़ी प्रतिस्पर्धा थी। जिसमें छत्तीसगढ़ के पांच वैज्ञानिकों को पहला पुरस्कार मिला। वहां से अमरकंटक एक्प्रेस ट्रेन से लौटते समय बाल वैज्ञानिकों ने यात्रियों को बताया कि शांति और विकास के लिए विश्व विज्ञान दिवस समाज में विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। देश काल और समाज की जरूरत के अनुसार तत्कालिक उभरते वैज्ञानिक मुद्दों पर बहस में आम लोगों को शामिल होने की जरूरत है। यह दैनिक जीवन में विज्ञान के महत्व और प्रासंगिकता को भी रेखांकित करता है। अमरकंटक एक्सप्रेस में छत्तीसगढ़ के विभिन्न सरस्वती शिशु मंदिरों के साथ बाल वैज्ञानिक 9 नवंबर को बिलासपुर और रायपुर की यात्रा कर रहे थे। इन बाल प्रतिभाओं को 10 नवंबर को आयोजित किए जाने वाले विज्ञान दिवस की जानकारी थी। इन सभी बच्चों ने अमृतसर में हुए नेशनल कॉन्टेस्ट में शांति और मनुष्य की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग थीम पर माडल बनाए थे।

इस्पात नगरी में डेंगू ने फिर दी दस्तक

इन क्षेत्रों में मिले दो नए मरीज, स्वास्थ्य विभाग ने की सावधानी बरतने की अपील

भिलाई। सोमवार को जिले में दो डेंगू एलिजा पाजिटिव मिले, जिसमें से एक प्रकरण सुपेला भिलाई व दूसरा प्रकरण जामुल का रहवासी है। वर्तमान में डेंगू एलिजा पाजिटिव भर्ती मरीजों की संख्या दो है। दोनों की हालत बेहतर है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक घर-घर जाकर मैदानी अमले द्वारा मास्किटो सोर्स रिडक्शन का कार्य दैनिक रूप से किया गया है। नगर निगम भिलाई, चरोदा, रिसाली जनस्वास्थ्य विभाग, भिलाई इस्पात संयंत्र व नगर निगम दुर्ग की टीम द्वारा लगातार डेंगू प्रभावित क्षेत्र में लार्वा नष्टीकरण के लिए टेमीफास व एडिस मच्छर को नष्ट करने के लिए मेलाथियान से फागिंग का कार्य किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी डा. जेपी मेश्राम के अनुसार डेंगू नियंत्रण व रोकथान हेतु दुर्ग, भिलाई, चरोदा रिसाली नगर निगम जनस्वास्थ्य विभाग, भिलाई इस्पात संयंत्र, स्वास्थ्य विभाग ग्रामीण व शहरीय की टीम द्वारा कुल एक लाख 75 हजार 453 घरों का सर्वेक्षण किया जा चुका है। जांच किए कूलर पानी टंकी व अन्य कंटेनर की संख्या-दो लाख दो हजार 592 जिनमें से 84 हजार 238 खाली कराए गए। सभी कंटेनरों में एक लाख 18 हजार 100 स्थानों में टेमीफास डालकर लार्वा का नष्टीकरण किया गया। एक लाख 71 हजार 445 पाम्पलेट के माध्यम से डेंगू व मलेरिया से बचाव के लिए स्वास्थ्य शिक्षा दी गई। जिले के मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी, जिला मलेरिया अधिकारी, सभी नगर निगम व मीडिया द्वारा लगातार लोगों से यह अपील की जा रही है कि सप्ताह में एक दिन शुष्क दिवस के रूप में मनाया जाना डेंगू की रोकथाम और नियंत्रण के लिए उचित होगा। उस दिन घर के सारे कंटेनर जैसे कूलर, पानी टंकी व अन्य जिसमें बारिश का पानी एकत्रित हो, उसको समतल जगह में उस पानी की निकासी की जाए। सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग डेंगू व मलेरिया की रोकथाम और नियंत्रण के लिए कारगर होगा।

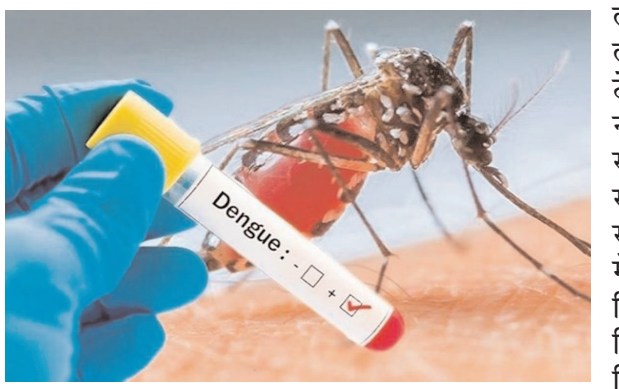

गेवरा खदान में हैवी ब्लास्टिंग से भरभरा कर गिरा स्कूल का छज्जा

कोरबा। खदान में लगातार हो रही हैवी ब्लास्टिंग की वजह से आसपास निवासरत ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विरोध के बाद भी एसईसीएल द्वारा हैवी ब्लास्टिंग बंद नहीं की जा रही है। पुन- हैवी ब्लास्टिंग होने से हायर सेकेंड्री स्कूल की छत का प्लास्टर टूट कर नीचे गया। घटना के वक्त कक्षा में कोई नहीं था, इससे अप्रिय हादसा टल गया। साऊथ ईस्टर्न कोलफिल्डस लिमिटेड (एसईसीएल) की गेवरा खदान से 50 मीटर की दूरी पर शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल संचालित है। दोपहर के वक्त खदान में हैवी ब्लास्टिंग किया गया। इससे उत्पन्न कंपन से स्कूल के छत के प्लास्टर का बड़ा हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया। घटना को लेकर बच्चों, शिक्षकों व स्टाफ में भय का माहौल व्याप्त है। बताया जा है कि दोपहर को दो बजे के स्कूल के ठीक पीछे

एक साथ कई होल में बारूद भरकर एक साथ ब्लास्टिंग किया गया, इससे स्कूल के छत का प्लास्टर भरभरा कर गिर गया। घटना की जानकारी मिलने पर गेवरा के कुछ अधिकारी स्कूल पहुंचे और निरीक्षण किए। इस दौरान प्राचार्य, स्टाफ व विद्यार्थियों ने हैवी ब्लास्टिंग बंद करने की मांग की। बताया जा रहा है कि गेवरा के महाप्रबंधक माइनिंग स्कूल का समय बदलने की बात कही, इस पर स्कूल प्रबंधन ने असमर्थता जताई। वहीं स्कूल के छात्र- छात्राओं का कहना है कि यदि एसईसीएल गेवरा प्रबंधन स्कूल के पीछे खदान में हैवी ब्लास्टिंग को बंद नहीं करता है तो खदान में उतरकर काम को बंद कराएंगे। प्राचार्य ने रजिस्टर में बैठक विवरण में महाप्रबंधक माइनिंग ने रजिस्टर में लिखे विद्यालय समय में ब्लास्टिंग नहीं करने से इंकार किया।

फिल्म 'फर्रे' का ट्रेलर रिलीज...

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की भांजी अलीजेह अग्निहोत्री की आने वाली फिल्म फर्रे का ट्रेलर रिलीज हो गया है। अलीजेह अग्निहोत्री सलमान खान की प्रोडक्शन कंपनी के बैनर तले बनी फिल्म फर्रे से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही है। फिल्म फर्रे का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फर्रे का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक सौमेंद्र पाधी ने किया है। फर्रे 24 नवंबर 2023 को रिलीज़ होगी।फिल्म फर्रे में अलीज़ेह, ज़ेन शॉ, साहिल मेहता, प्रसन्ना बिष्ट, रोनित बोस रॉय और जूही बब्बर सोनी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। हाई-स्कूल थ्रिलर ड्रामा अतुल अग्निहोत्री, अलवीरा अग्निहोत्री, निखिल नमित और सुनील खेतरपाल ने इस फिल्म को प्रोड्यूस किया है।

'दीवानगी' के सीक्वल में करेंगे काम...

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन अपनी सुपरहिट फिल्म दीवानगी के सीक्वल में काम करते नजर आ सकते हैं। अनीस बज्मी के निर्देशन में बनी वर्ष 2002 में प्रदर्शित थ्रिलर फिल्म दीवानगी में अजय देवगन ने मुख्य भूमिका निभायी थी। कहा जा रहा है कि अनीस बज्मी एक ऐसी सक्रिप्ट पर काम कर रहे हैं जो दीवानगी की कहानी को आगे ले जाए। फिल्म दीवानगी में अजय के किरदार तरंग के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक हत्या के लिए दोषी ठहराए जाने से बचने के लिए स्प्लिट पर्सनैलिटी डिसआर्डर होने का नाटक करता है।इस फिल्म में अक्षय खन्ना ने उनके वकील की भूमिका निभाई थी। चर्चा है कि अजय देवगन ने ही अनीस बज्मी को दीवानगी फि दूसरी किस्त की संभावना तलाशने का सुझाव दिया था।

देबिना ने दिखाईं नन्हीं दिविशा की अनदेखी तस्वीरें

मुंबई। टीवी के राम-सीता यानी देबिना बनर्जी और गुरमीत चौधरी की दूसरी बेटी दिविशा चौधरी 11 नवंबर को एक साल की हो जाएगी। ऐसे में मम्मी-पापा का दिल अपनी लाडो के लिए पहले से ही प्यार से भरा हुआ है और वे अपनी लिटिल ऐंजल के बर्थडे के लिए काफी एक्साइटेड हैं। इसी बीच देबिना ने बेटी दिविशा का बर्थडे मंथ शुरू होते ही उसकी अनदेखी तस्वीरें फैंस के साथ शेयर कर दी हैं। फैंस कपल की छोटी लाडली की इन तस्वीरों पर खूब प्यार लुटा रहे हैं। लाडो की अनदेखी तस्वीरें शेयर करते हुए देबिना बनर्जी ने कैप्शन में लिखा, 'अभी कल ही तो तुम्हारा जन्म हुआ था और देखो पहला बर्थडे मंथ भी आ गया। मेरी प्यारी दिविशा चौधरी तुम ऐंजल की तरह हो। तुम्हारा आना, तुम्हारी प्रेजेंस, तुम्हारी इंडिविजुएलिटी सबकुछ अमेजिंग है। मैं तुम्हें 100 गुणा से भी ज्यादा प्यार करती हूं। बता दें देबिना बनर्जी ने साल 2011 में एक्टर गुरमीत चौधरी संग शादी रचाई थी। 11 साल बाद कपल के घर 3 अप्रैल 2022 को पहले बच्चे की किलकारी गूंजी, जिसका नाम उन्होंने लियाना रखा। लियाना के जन्म के 4 महीने बाद 11 नवंबर 2022 को देबिना ने दूसरी बेटी दिविशा का स्वागत किया।

बिग बॉस से बाहर होने से निराश मनस्वी, अनुराग पर साधा निशाना

नई दिल्ली। कलर्स टीवी के रियलिटी शो 'बिग बॉस 17' से मनस्वी ममगई बाहर हो गई हैं। अपने एविक्शन से ये खूबसूरत एक्ट्रेस बिलकुल खुश नहीं है। मीडिया संग बातचीत में मनस्वी ने कहा कि वो अपने एविक्शन से निराश हैं क्योंकि घर में ऐसे कई कंटेस्टेंट हैं, जो न तो दर्शकों का एंटरटेनमेंट कर रहे हैं और न ही घर में नजर आ रहे हैं। इस दौरान मनस्वी ने यूके 07 राइडर अनुराग डोभाल पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें अमेरिका में रहने पर सवाल उठाने वाले अनुराग खुद दुबई में रहते हैं। मनस्वी ममगई ने कहा, "अनुराग ने मेरे बारे में झूठी बातें फैलाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि मैं खुद को उत्तराखंड से नहीं बोल सकती, क्योंकि मैं अमेरिका में रहती हूं। एलए में काम करती हूं लेकिन मुझपर इस तरह के इल्जाम लगाने वाले अनुराग खुद दुबई के रहने वाले हैं। दरअसल वो खुद जो कर रहे हैं, उसका इल्जाम वो मुझपर लगाना चाहते थे। वो दुबई के पर्मानेंट रेजिडेंट हैं। मैं उत्तराखंड में कितना काम करती हूं, ये जाने बिना वो मुझपर इल्जाम लगाए जा रहे थे। उत्तराखंड से अपने कनेक्शन के बारे में मनस्वी ममगई ने बताया-'मुझे मेरे काम के लिए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री और गवर्नर ने सम्मानित किया है। मैं उत्तराखंड की महिला स्पोर्ट्स टीम की ब्रांड एम्बेसडर रही हूं। मेरा वहां के सामाजिक कार्यों में बड़ा योगदान रहा है। अनुराग खुद कहते हैं कि वो देहरादून में रहते हैं लेकिन जब मैं मिस इंडिया बनीं थी, तब हमने उत्तराखंड के स्कूल, कॉलेजेस में कई सेमिनार किए थे, ये बात उन्हें पता नहीं है। मैं कहूंगी कि उन्होंने खुद के पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है। मैंने उन्हें पूछा भी था कि क्या आप इनकम टैक्स से बचने के लिए दुबई रहते हो, लेकिन ये बात दिखाई नहीं गई थी।

प्रभास की 'सालार' की रिलीज तारीख में नहीं होगा बदलाव, शाहरुख की 'डंकी' से भिड़ंत तय

मुंबई। प्रभास आजकल अपनी आगामी फिल्म 'सालार' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 22 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी और टिकट खिड़की पर इसका सामना शाहरुख खान की 'डंकी' से होगा। हालांकि, पिछले कुछ दिनों ऐसी चर्चा है कि निर्माता 'सालार' की रिलीज तारीख में बदलाव करने की योजना बना रहे हैं, लेकिन इन खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। 'सालार' अपनी निर्धारित रिलीज की तारीख 22 दिसंबर को ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'सालार' और 'डंकी' के बीच 22 दिसंबर को भिड़ंत होना तय है। 'सालार' का निर्देशन प्रशांत नील ने किया है, जबकि इसके निर्माण का जिम्मा विजय किरगंदुर ने संभाला है। फिल्म में श्रुति हासन, टीनू आनंद, श्रिया रेड्डी और जगपति बाबू भी अहम भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। दूसरी ओर, 'डंकी' का निर्देशन जाने-माने निर्देशक राजकुमार हिरानी कर रहे हैं। इसमें शाहरुख के साथ पहली बार तापसी पन्नू नजर आएंगी। यह फिल्म राजकुमार हिरानी फिल्म्स और शाहरुख की प्रोडक्शन कंपनी रेड चिलीज के बैनर तले बन रही है।

लीक की थी कैट की कॉल डिटेल्स..!

मुंबई। कैटरीना कैफ ने कथित तौर पर मलाइका अरोड़ा पर मीडिया में उनके फोन कॉल डिटेल्स लीक करने का आरोप लगाने के बाद खानदान में एक बार तनातनी हुई थी। एक समय ऐसा भी था, जब कैट और जॉन के बीच कुछ अनुचित बातचीत मीडिया में लीक हो गई थी, कैट के खास दोस्त सलमान खान में हंगामा मच गया था। पुरानी रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है, जब सलमान को कैटरीना के जॉन को देर रात फोन करने के बारे में पता चला, तो उन्हें गुस्सा आ गया। केवल करीबी परिवार को ही इसके बारे में पता है, और उनमें से कोई भी इसे प्रेस में लीक नहीं करेगा क्योंकि खान एक बहुत ही एकजुट परिवार है। कैटरीना को लगता है कि शायद मलाइका ने ये राज़ बता दिया है।

योद्धा की रिलीज डेट में फिर बदलाव

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म 'योद्धा' की रिलीज डेट में एक बार फिर बदलाव आया है। इससे पहले भी फिल्म 'योद्धा' की रिलीज डेट कई बार बदली है। अब सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म साल 2024 में रिलीज होगी। बता दें कि फिल्म 8 दिसंबर को रिलीज होने वाली थी और कटरीना कैफ की फिल्म 'मेरी क्रिसमस' से इसका बॉक्स ऑफिस क्लैश होने वाला था। फैंस भी दोनों फिल्मों को देखने के लिए काफी उत्सुक थे। हालांकि, अब सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म की रिलीज डेट बदल गई तो क्लैश टल गया है। मेकर्स ने फिल्म की नई रिलीज डेट देकर इसे हर तरह के क्लैश से बचा लिया है।हाल ही में, सिद्धार्थ मल्होत्रा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म से जुड़े दो नए पोस्टर शेयर किए हैं।

डीपीआईआईटी सचिव सिंह ने व्यापार मंच की बैठक में दी जानकारी

इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के लिए पीएलआई प्रोत्साहन वितरण होगा चौथी तिमाही में

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव राजेश कुमार सिंह ने मंगलवार को कहा कि सरकार घरों में उपयोग होने वाले एयर कंडीशनर जैसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों(व्हाइट गुड्स) के लिये उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के तहत वित्तीय प्रोत्साहन चौथी तिमाही से देना शुरू कर सकती है। कुछ कंपनियों ने इन वस्तुओं का उत्पादन शुरू किया है। इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के लिये उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का उद्देश्य एयर कंडीशनर और एलईडी लाइट उपकरणों के घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित करना है।

■ एयर कंडीशनर और बड़े उत्पादों को मिलेगा प्रोत्साहन

कुछ इकाई वित्तीय प्रोत्साहन वितरण की उम्मीद कर रहे

सिंह ने यहां भारत-दक्षिण कोरिया व्यापार भागीदारी मंच की बैठक के के दौरान अलग से बातचीत में कहा, 'अंतिम तिमाही (जनवरी-मार्च) में हम पीएलआई के तहत कुछ वित्तीय प्रोत्साहन के वितरण की उम्मीद कर रहे हैं।' पीएलआई योजना के तहत 64 लाभार्थी इकाइयों में से 15 ने उत्पादन शुरू कर दिया है।

2022 तक की अवधि का विकल्प चुना था

15 लाभार्थियों ने 31 मार्च, 2022 तक की अवधि का विकल्प चुना था। बाकी लाभार्थी ने 31 मार्च, 2023 तक की अवधि का विकल्प चुना था। वे परियोजना क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। यह योजना 2021-22 से 2028-29 तक सात साल की अवधि में लागू की जानी है। इस पर 6,238 करोड़ रुपये का व्यय आने का अनुमान है।

दक्षिण कोरिया दुनिया का सबसे बड़ा चिप निर्माता

दक्षिण कोरिया 17 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सेमीकंडक्टर विनिर्माता है। साथ ही 'मेमोरी चिप्स' और डिस्प्ले में अगुवा है। भारत और दक्षिण कोरिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाने के बारे में सचिव ने कहा कि हल्के इंजीनियरिंग और औषधि जैसे घरेलू क्षेत्रों के लिये निर्यात के अवसर मौजूद हैं।

मार्च तक 2900 करोड़ वितरित किए गए

सिंह ने यह भी कहा कि वाहन और 'व्हाइट गुड्स' जैसे पीएलआई क्षेत्रों में परियोजना क्रियान्वयन की अवधि लंबी होती है। कंपनियों को प्रोत्साहन के लिये पात्र होने को लेकर निवेश सीमा को पार करना पड़ता है और इसमें समय लगता है। उल्लेखनीय है कि कुल 1.98 लाख करोड़ रुपये की पीएलआई योजना के तहत मार्च तक प्रोत्साहन के रूप में 2,900 करोड़ रुपये वितरित किये गये हैं।

1000 करोड़ की अतिरिक्त मंजूरी दी गई

इस साल इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में लगी कंपनियों के लिये 1,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त प्रोत्साहन की मंजूरी दी गई है। सचिव ने कहा कि पीएलआई योजना में इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल विनिर्माण, औषधि और खाद्य प्रसंस्करण जैसे कुछ क्षेत्र अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, जबकि कपड़ा जैसे क्षेत्रों में कुछ सुधार की जरूरत है।

चिप विनिर्माण में निजी क्षेत्र लाभ उठाए

सिंह ने सेमीकंडक्टर विनिर्माण पर कहा कि सरकार निजी क्षेत्र को आगे आने और भारत में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अवसरों का लाभ उठाने के लिये प्रोत्साहित कर रही है। इससे पहले, सिंह ने बैठक में अपने संबोधन में कहा कि 10 अरब डॉलर की सेमीकंडक्टर विनिर्माण योजना में दक्षिण कोरियाई कंपनियों के लिये भारत में बड़े अवसर हैं।

रैना होंगे लावा इंटरनेशनल के अंतरिम प्रबंध निदेशक

नई दिल्ली। घरेलू मोबाइल उपकरण विनिर्माता लावा इंटरनेशनल ने अपने अध्यक्ष सुनील रैना को तत्काल प्रभाव से पूर्णकालिक निदेशक और अंतरिम प्रबंध निदेशक के पद पर पदोन्नत कर दिया है। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वह लावा के प्रबंध निदेशक हरिओम राय के स्थान पर कंपनी का कारोबार संभालेंगे। राय चीन की मोबाइल उपकरण कंपनी वीवो के खिलाफ दायर धन शोधन मामले में कथित संलिप्तता के लिए प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में हैं।

ज्योति लैब्स के लाभ में 59 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। रोजमर्रा के उपभोग का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली कंपनी ज्योति लैब्स का चालू वित्त वर्ष की 30 सितंबर को समाप्त दूसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 59.1 प्रतिशत बढ़कर 103.98 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। आमदनी बढ़ने से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है। कंपनी के पास उजाला, मैक्सो, एक्सो, हेंको, प्रिल और मार्गो जैसे ब्रांड हैं।

एलएंडटी टेक्नोलॉजी का गूगल क्लाउड से करार

नई दिल्ली। लार्सन एंड टुब्रो टेक्नोलॉजी सर्विसेज (एलटीटीएस) ने अपने परिचालन में जेनरेटिव प्रौद्योगिकी लागू करने के लिए गूगल क्लाउड के साथ साझेदारी की है। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एलटीटीएस लार्सन एंड टुब्रो ग्रुप के तहत डिजिटल इंजीनियरिंग और आरएंडडी सेवा कंपनी है। कंपनी ने बयान में कहा कि एलटीटीएस डेवलपर एक्सपीरियंस प्लेटफॉर्म (डेवएक्स) इंजीनियरिंग सेवाओं के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो सभी उद्योगों में एपीआई-सक्षम समाधान पेश करता है। कंपनी ने कहा कि वह यह प्लेटफ़ॉर्म विकसित करने के लिए गूगल क्लाउड के साथ अपनी विशेषज्ञता का संयोजन करेगी।

एफएमसीजी उद्योग ने सितंबर में 8.6 प्रतिशत वृद्धि की दर्ज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत में रोजमर्रा के उपभोग का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाले उद्योग ने सितंबर तिमाही में मात्रा में 8.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। उद्योग को महंगाई का दबाव कम होने के कारण खपत बढ़ने से मदद मिली। विश्लेषण फर्म नील्सनआईक्यू की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। कीमतों में सुधार के साथ एफएमसीजी उद्योग ने जुलाई-सितंबर तिमाही में मूल्य के लिहाज से नौ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। यह आंकड़ा पिछली तिमाहियों से कम है। जब महंगाई अपने रिकॉर्ड उच्चस्तर पर थी, तो पिछली 5-6 तिमाहियों में एफएमसीजी उद्योग ने मूल्य के लिहाज से वृद्धि दर्ज की थी, हालांकि मात्रा में वृद्धि दबाव में थी। नीलसनआईक्यू की एफएमसीजी तिमाही रिपोर्ट में कहा गया है कि जिंस कीमतों में नरमी के साथ यह प्रवृत्ति पलटने लगी है। इसके अलावा ग्रामीण बाजार में भी सुधार के संकेत दिख रहे हैं, जहां पिछली कई तिमाहियों से खपत में मंदी थी। शहरी बाजार स्थिर वृद्धि दर बनाए हुए है।

ग्रामीण बाजार में छोटे पैक का उठाव ज्यादा

रिपोर्ट के मुताबिक, ग्रामीण बाजार में छोटे आकार के पैक का उठाव अधिक हो रहा है, जबकि शहरी बाजारों में औसत पैक आकार बेहतर हो गया है। यहां बड़े पैक को प्राथमिकता दी जा रही है। एफएमसीजी उद्योग में पिछली तिमाही से मूल्य के लिहाज से वृद्धि कम हुई है। उपभोक्ताओं की खर्च करने की शक्ति बढ़ी है और यह विशेष रूप से ग्रामीण बाजारों में स्पष्ट है।

शेयर बाजार में तीन दिन से जारी तेजी थमी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में पिछले तीन कारोबारी सत्रों से जारी तेजी पर मंगलवार को विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स में मामूली 16 अंक की गिरावट रही। एशिया और यूरोपीय बाजारों में कमजोर रुख के बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी जारी रहने से बाजार नुकसान में रहा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 16.29 अंक यानी 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 64,942.40 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 320.59 अंक तक नीचे चला गया था।

■ सेंसेक्स में 16 अंक की मामूली गिरावट

इन शेयरों में रही घट-बढ़

सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस, जेएसडब्ल्यू स्टील, रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, आईटीसी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, विप्रो, एचडीएफसी बैंक, लार्सन एंड टुब्रो और भारती एयरटेल प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ लाभ में रहने वाले शेयरों में सन फार्मा, एनटीपीसी, भारतीय स्टेट बैंक, इंडसइंड बैंक और एक्सिस बैंक शामिल हैं।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 5.05 अंक यानी 0.03 प्रतिशत की हल्की गिरावट के साथ 19,406.70 अंक पर बंद हुआ। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''बाजार को उच्चस्तर पर कुछ प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। इसका कारण कुछ प्रमुख राज्यों में चुनाव शुरू होना है। इसके अलावा, चीन के निर्यात में उम्मीद से कहीं अधिक गिरावट के साथ वैश्विक बाजारों में नकारात्मक रुख का भी असर पड़ा। चीनी निर्यात में गिरावट वैश्विक व्यापार में लगातार नरमी को दर्शाती है।''

सोने में 250 रुपए की गिरावट, चांदी 650 रुपए लुढ़की

नई दिल्ली। कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में मंगलवार को सोना 250 रुपये की गिरावट के साथ 61,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 61,750 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने कहा, मंगलवार को सोने की कीमतों में गिरावट जारी रही। विदेशी बाजारों में मंदी के कारोबार के बाद दिल्ली के बाजारों में सोने की हाजिर कीमतें 250 रुपये की गिरावट के साथ 61,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रही थीं।

कोचिन शिपयार्ड का शुद्ध लाभ 61 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। कोचिन शिपयार्ड का सितंबर में समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 60.93 प्रतिशत बढ़कर 181.52 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। कंपनी ने इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 112.79 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। बीएसई को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी आमदनी बढ़कर 1,100.40 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो इससे पिछले साल की समान तिमाही में 744.88 करोड़ रुपये थी।

मुक्का प्रोटीन्स के आईपीओ को सेबी की हरी झंडी

नई दिल्ली। मुक्का प्रोटीन्स को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की मंजूरी मिल गई है। आईपीओ दस्तावेजों (डीआरएचपी) के अनुसार, मछली का भोजन, मछली का तेल और मछली का घुलनशील पेस्ट बनाने वाली कंपनी आईपीओ के तहत आठ करोड़ तक नए शेयर जारी करेगी। कंपनी ने इस साल जून में आईपीओ के लिए नए सिरे से दस्तावेज जमा कराए थे।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक** :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)